

**अलकाली स्त्री.** (तत्.) अलकावली, केशसमूह।

**अलकावलि स्त्री.** (तत्.) बालों की लटें, केशपाश, घुँघराले बाल, अलकाली।

**अलकिस्सा अव्य.** (तत्.) (अर. अलकिस्सः) मतलब यह है कि, सारांशतः, संक्षेपतः, मूलभाव यह है कि।

**अलकेश पुं.** (तत्.) दे. अलकापति ।

**अलकोहल पुं.** (अं.) एक वर्णहीन, ज्वलनशील, वाष्पनशील तरल जो किण्वित और आसुत द्रवों का मादक कर्मक होता है।

**अलक्त पुं.** (तत्.) दे. अलक्तक ।

**अलक्तक पुं.** (तत्.) 1. अलता, लाख से बना लाल रंग जिसे स्त्रियाँ पैरों में लगाती हैं, महावर 2. लाख, चपड़ा, साफ की हुई लाख।

**अलक्षण वि.** (तत्.) 1. चिह्नहीन 2. लक्षणरहित, लक्षणहीन पु. 1. कुलक्षण, बुरा लक्षण, अशुभ लक्षण, अशुभ चिह्न 2. लक्षणहीनता।

**अलक्षित वि.** (तत्.) 1. जो देखा न गया हो, गुप्त 2. जिसकी ओर ध्यान न गया हो 3. जो प्रकट न हुआ हो, अप्रकट 4. अवर्णित।

**अलक्ष्म वि.** (तत्.) 1. लक्ष्य (चिह्न) से रहित, 2. अकलंक, शुद्ध, निर्दोष जैसे- अलक्ष्म चरित्र।

**अलक्ष्मी वि.** (तत्.) 1. निर्धनता, दरिद्रता 2. भाग्यहीनता, दुर्भाग्य 3. लक्ष्मी की बड़ी बहिन जो अधर्म की पत्नी कही गई है।

**अलक्ष्य वि.** (तत्.) 1. न देखने योग्य 2. जिसे देखा न जा सके, गुप्त 3. जिसे जानना कठिन हो 4. जो इंद्रिय गोचर न हो 5. जिसकी अनुभूति न हो सके।

**अलख वि.** (तद्.) 1. अदृश्य, अगोचर 2. अलक्ष्य पुं. ईश्वर, ब्रह्म।

**अलखधारी/अलखनामी पुं.** (तद्.) गोरखपंथियों का एक संप्रदाय और उसका अनुयायी।

**अलख निरंजन पुं.** (तत्.) अलक्ष्य तथा अव्यक्त, नामरूपहीन ईश्वर, अलख पुरुष।

**अलख पुरुष पुं.** (तद्.) निराकार परमेश्वर।

**अलखिया पुं.** (तद्.) (अलक्ष्य) 1. 'अलख-अलख' का घोष करने वाले गोरख संप्रदाय का साधु 2. उक्त संप्रदाय। पर्या. अलखधारी, अलखनामी।

**अलगंट वि.** (देश.) अन्यो से भिन्न दिखने या रहने वाला। बेजोड़, निराला, क्रि.वि. दूसरों से अलग रहते या दिखते हुए, अकेले ही।

**अलग वि.** (तत्.) 1. जो किसी से लगा, सटा या जुड़ा न हो, पृथक्, अलग्न, भिन्न, वियुक्त, वियोजित हटा हुआ, हटाया गया 2. व्यष्टि रूप में विद्यमान।

**अलगनी स्त्री.** (तद्.) कपड़े लटकाने के लिए बाँधी गई रस्सी या लंबा डंडा ।

**अलगरज अव्य.** (अर.) दे. अल किस्सा ।

**अलगरजी स्त्री.** (अर.) 1. लापरवाही 2. स्वार्थपरायणता वि. 1. लापरवाह 2. स्वार्थी।

**अलगाऊ वि.** (तद्.) अलग करनेवाला, जो अलग करने का पक्षधर हो।

**अलगाना अ.क्रि.** (तद्.) 1. अलग करना, अलग होना 2. छोटना, दूर करना।

**अलगाव पुं.** (तद्.) अलग करने या रहने का भाव, पृथक्करण।

**अलगोजा पुं.** (अर.) बाँसुरी की तरह का एक बाजा।

**अलगौझा/अलग्योझा पुं.** (अर.) 1. अलहदगी 2. संयुक्त परिवार से अलग होने का भाव 3. बँटवारा।

**अलग्यौझा पुं.** (देश.) दे. अलगौझा।

**अलज्ज वि.** (तत्.) लज्जाहीन, निर्लज्ज, बेहया।

**अलतई वि.** (देश.) 1. अलता का 2. अलता जैसा, आलता के रंग वाला, महावरी दे. अलता। पुं. महावरी रंग, गहरा लाल रंग।

**अलता पुं.** (तद्.) दे. अलक्तक ।